बाल भारती पब्लिक स्कूल , पीतमपुरा
साप्ताहिक पाठ योजना
कक्षा -सातवीं

विषय - हिंदी
सप्ताह - 21/12/20 से 25/12/20
उपविषय -उपसर्ग ,प्रत्यय
ए.ए.सी एक्टिविटी (नीलकंठ)
अधिगम प्रतिफल
१) छात्र शब्द रचना करना सीख सकेंगे ।
२)मूल शब्द और उपसर्ग ,प्रत्यय अलग कर पाएँगे ।
३)शब्द भंडार में वृद्धि होगी ।
४) मनुष्य और पक्षियों के आपसी प्रेम की भावना को छात्र समझ पाएँगे ।
५) रचनात्मक कौशल का विकास होगा ।
निर्देशात्मक सहायक सामग्री
नीचे दिए गए लिंक के द्वारा छात्र 'नीलकंठ' पाठ को समझेंगे ।
https://youtu.be/_cJ2mM_iiHM
पाठ परिवर्धन

कालांश -१

पाठ का सार

यह पाठ एक रेखाचित्र है जिसमें लेखिका ने अपने सभी पालतू पशुओं में से एक मोर जिसे उन्होंने नीलकंठ नाम दिया है उसका वर्णन किया है| उसके स्वभाव, व्यवहार और चेष्टाओं को विस्तार से बताया है|

एक बार लेखिका अतिथि को स्टेशन पहुँचाकर लौट रही थी तो बड़े मियाँ चिड़ियावाले के यहाँ से मोर-मोरनी के दो बच्चे ले आईं। जब वे दोनों पक्षी लेकर घर पहुँची तो सबने कहा कि वे मोर की जगह तीतर ले आई है| दुकानदार ने उन्हें ठग लिया है। यह सुनकर लेखिका चिढ़कर दोनों पक्षियों को अपने पढ़ने-लिखने के कमरे में ले गई। दोनों पक्षी उनके कमरे में आजादी से घूमते रहे। जब वे लेखिका से घुल-मिल गए तो वे लेखिका का ध्यान अपनी हरकतों से अपनी ओर खींचते। जब वे थोड़े बड़े हुए तो उसे अन्य पशु-पक्षियों के साथ जालीघर पहुँचा दिया गया। धीरे-धीरे दोनों बड़े होने लगे और सुंदर मोर-मोरनी में बदल गए।

मोर के सिर की कलगी बड़ी और चमकीली हो गई थी। चोंच और तीखी हो गई थी। गर्दन लंबी नीले-हरे रंग की थी। पंखों में चमक आने लगी थी। मोरनी का विकास मोर की तरह सौंदर्यमयी नहीं था परंतु वह मोर की उपयुक्त
सहचारिणी थी। मोर की नीली गरदन के कारण उसका नाम नीलकंठ रखा गया था। मोरनी मोर की छाया थी इसलिए उसका नाम राधा रखा गया। नीलकंठ लेखिका के चिड़ियाघर का स्वामी बन गया था। जब कोई

पक्षी मोर की बात नहीं मानता था तब मोर उसे अपनी चोंच के प्रहार से दंड देता था। एक बार एक साँप ने खरगोश के बच्चे को मुँह में दबा लिया था| नीलकंठ ने उस साँप को अपने चोंच के प्रहार से टुकड़े कर दिए| खरगोश के बच्चे को रातभर अपने पंखों के नीचे रखकर गरमी देता रहा।

वसंत पर मेघों की सांवली छाया में अपने इंद्रधनुषी पंख फैलाकर नीलकंठ एक सहजात लय-ताल में नाचता रहता। लेखिका को नीलकंठ का नाचना बहुत अच्छा लगता। अनेक विदेशी महिलाओं ने उसकी मुद्राओं को अपने प्रति व्यक्त सम्मान समझकर उसे 'परफेक्ट जेंटलमैन' की उपाधि दे दी थी। नीलकंठ और राधा को वर्षा ऋतु बहुत अच्छी लगती थी। उन्हें बादलों के आने से पहले उनकी आहट सुनाई देने लगती थी। बादलों की गड़गड़ाहट, वर्षा की रिम-झिम, बिजली की चमक जितनी अधिक होती थी, नीलकंठ के नृत्य में उतनी ही तन्मयता और वेग बढ़ता जाता था। बरसात के समाप्त होने पर वह दाहिने |पंजे पर दाहिना पंख और बाएँ पर बायाँ पंख फैलाकर सुखाने लग जाता था। उन दोनों के प्रेम में एक दिन तीसरा भी आ गया।

एक दिन लेखिका को बड़े मियाँ की दुकान से एक घायल मोरनी सात रुपये में मिली। पंजों की मरहमपट्टी करने पर एक महीने में वह ठीक हो गई और डगमगाती हुई चलने लगी तो उसे जाली घर में पहुँचा दिया गया उसके दोनों पैर खराब हो गए थे, जिसके कारण वह डगमगाती हुई चलती थी। उसका नाम 'कुब्जा' रखा गया था| नीलकंठ और राधा को वह जब भी साथ देखती, उन्हें मारने दौड़ती। उसने चोंच से मार-मारकर राधा की कलगी और पंख नोच डाले थे। नीलकंठ उससे दूर भागता, पर वह उसके साथ रहना चाहती।
कुब्जा की किसी भी पक्षी से मित्रता नहीं थी। कुछ समय बाद राधा ने दो अंडे दिए। वह उन अंडों को अपने पंखों में छिपाए बैठी रहती थी। जैसे ही कुब्जा को राधा के अंडों के विषय में पता चला उसने अपनी चोंच के प्रहार से उसके अंडों को तोड़ दिया। नीलकंठ इससे बहुत दु:खी हो गया। लेखिका को आशा थी कि कुछ दिनों में सब | में मेल हो जाएगा, परंतु ऐसा नहीं हुआ।

तीन-चार माह के बाद अचानक एक दिन सुबह लेखिका ने नीलकंठ को मरा हुआ पाया। न उसे कोई बीमारी हुई थी और न ही उसके शरीर पर चोट का कोई निशान था। लेखिका ने उसे अपनी शाल में लपेट कर संगम में प्रवाहित कर दिया। नीलकंठ के न रहने पर राधा कई दिन तक कोने में बैठी रह नीलकंठ का इंतज़ार करती रही। परंतु कुब्जा ने नीलकंठ के दिखाई न देने पर उसकी खोज आरंभ कर दी। एक दिन वह लेखिका की अल्सेशियन कुतिया कजली के सामने पड़ गई। कुब्जा ने उसे देखते ही चोंच से प्रहार कर दिया। कजली ने अपने स्वभाव के अनुरूप कुब्जा की गर्दन पर दो दाँत लगा दिए। कुब्जा का इलाज करवाया गया परंतु वह नहीं बची| राधा नीलकंठ की प्रतीक्षा कर रही है। बादलों को देखते ही वह अपनी केका ध्वनि से नीलकंठ को बुलाती है।

ए.ए.सी. गतिविधि

'नीलकंठ ' संस्मरण में महादेवी वर्मा जी ने अपने घर में पले मोर पक्षी के विकास एवं व्यवहार का सुंदर वर्णन किया है । पाठ का अध्ययन करने के पश्चात मोर का एक सुंदर चित्र बनाएँ एवं उसे सुंदर रंगों से सजाएँ ।
२) अपने घर में पले किसी पालतू पशु या पक्षी के व्यवहार का वर्णन करते हुए एक अनुच्छेद लिखिए ।

कालांश -२

नीचे दिए गए लिंक की सहायता से छात्र उपसर्ग के बारे में जान पाएँगे ।

https://youtu.be/a1tfmc0rYnI

उपसर्ग -

वे शब्दांश जो शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता उत्पन्न कर देते हैं या उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं ,उन्हें उपसर्ग कहते हैं ।

उदाहरण

उपसर्ग	मूल शब्द	नया शब्द
परा	जय	पराजय
अ	धर्म	अधर्म
अव	गुण	अवगुण
परि	कल्पना	परिकल्पना
वि	देश	विदेश
सु	पुत्र	सुपुत्र
प्र	कृति	प्रकृति
आ	जीवन	आजीवन

अभ्यास

प्रश्न=01. ‘‘अन् ‘‘उपसर्ग से बना शब्द है ?

(अ) अनमोल

(ब) अनावश्यक

(स) अनबन

(द) उपरोक्त सभी

प्रश्न=02. अनुपमा शब्द में उपसर्ग है ?

(अ) अन्

(ब) अनु

(स) आ

(द) उपरोक्त कोई नहीं

व्याख्या:-अन्–नही

अनुपमा=अन्+उपमा

प्रश्न=03. सम् उपसर्ग से बना हुआ शब्द नहीं है?

(अ) समादर

(ब) समभाव

(स) सामाचार

(द) समुचित

व्याख्या:-सम=समान

सम्=अच्छा

प्रश्न=04. ''स्वार्थ ''शब्द में उपसर्ग है?

(अ) स्व

(ब) सु

(स) सव

(द) स्वा

प्रश्न=05. ''परा'' उपसर्ग से बना हुआ शब्द नहीं है?

(अ) पराधीन

(ब) पराजय

(स) पराक्रम

(द) पराभव

प्रश्न=6. किस शब्द में ''नि '' उपसर्ग हैै?

(अ) निबन्ध

(ब) निराकार

(स) निर्जन

(द) निरभिमान

प्रश्न=07. ''अधमरा' शब्द में उपसर्ग है ?

(अ) अ

(ब) अध

(स) आ

(द) अधि

प्रश्न=08. ''खुश'' उपसर्ग से बने हुए शब्द है ?

(अ) खुशबू

(ब) खुशहाल

(स) खुशनसीब

(द) उपरोक्त सभी

प्रश्न=09. किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?

(अ) आकर

(ब) आचरण

(स) आराधना

(द) आगमन

प्रश्न=10. कौन सा शब्द अनु उपसर्ग के मेल से नहीं बना है?

(अ) अनुगामी

(ब) अनूठा

(स) अनुकरण

(द) अनुपात

प्रश्न=11.'स्वयंवर' शब्द में कौनसा उपसर्ग है?

(अ) स्व

(ब) सम्

(स) स्वयं

(द) स

प्रश्न=12. किस विकल्प में उपसर्ग रहित शब्द है?

(अ) पराजय, पराजय, परायण

(ब) कुधडी़,कुपुत्र,कुठौर

(स) अकाल, अपढ़, अथल

(द) उत्तम, उतीर्ण, उत्पाद

प्रत्यय

जो शब्दांश शब्द के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं ,उन्हें प्रत्यय कहते हैं ।

उदाहरण

प्रत्यय उदाहरण

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
नमकीन	नमक	ईन
घबराहट	घबरा	आहट
त्यागी	त्याग	ई
बिकाऊ	बिक	आऊ
सुनवाई	सुन	वाई
बचाव	बच	आव
भूखा	भूख	आ
दुखिया	दुख	इया
चित्रकार	चित्र	कार

अभ्यास

प्रश्न=01. बहुतायत में प्रत्यय बताइए?

(अ) यत

(ब) त

(स) आयत

(द) अत

प्रश्न=02. किस शब्द में इक प्रत्यय नहीं है।

(अ) धार्मिक

(ब) बौद्धिक

(स) कार्तिक

(द) तार्किक

प्रश्न=03." बहाव "शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय कौनसा है

(अ) बह

(ब) आव

(स) आव

(द) आवा

BBPS,PITAMPURA

प्रश्न=04. त प्रत्यय युक्त शब्द नहीं है?
(अ) बचत
(ब) खपत
(स) बढत
(द) फलित

प्रश्न=05. लालिमा में प्रयुक्त प्रत्यय है-
(अ) मा
(ब) लिमा
(स) इमा
(द) एमा

प्रश्न=06." ठकुराइन "शब्द किस प्रत्यय से बना हुआ है?
(अ) राइन
(ब) आइन
(स) इन
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न=07. "आक" प्रत्यय से बनने वाला शब्द है?
(अ) तैराक
(ब) लड़ाक
(स) चालाक
(द) उपरोक्त सभी

प्रश्न=08. "सामाजिक" शब्द में प्रत्यय है ?
(अ) क
(ब) इक
(स) जिक
(द) अक

प्रश्न=09. इक प्रत्यय से बनने वाले शब्द हैं?
(अ) व्यावसायिक
(ब) औद्योगिक
(स) ऐतिहासिक
(द) उपरोक्त सभी

प्रश्न=10. कौन सा शब्द "नी" प्रत्यय लगने से नहीं बना है?
(अ) चोरनी
(ब) लड़की
(स) मोरनी
(द) उपरोक्त कोई नहीं

नोट

नीचे दिए गए समरूपी भिन्नार्थक एवं मुहावरे कॉपी में कीजिए ।

समरूपी भिन्नार्थक शब्द

1)अचल -पहाड़

अचला - पृथ्वी

2)अणु -कण

अनु - पीछे

3) अनल -आग

अनिल - हवा

4)अति -बहुत

इति - समाप्त

5) अदृश्य - जो दिखाई न दे

अदृष्ट -भाग्य

6)अवधि -समय सीमा

अवधी -अयोध्या क्षेत्र की भाषा

7)अंक - गोद

अंग - शरीर का भाग

8)अवलंब - सहारा

अविलंब -बिना देरी किए

9)आदि - आरंभ

आदी - अभ्यस्त

10)उपयुक्त - ठीक

उपर्युक्त -ऊपर कहा गया

मुहावरे

1) अक्ल पर पत्थर पड़ना -बुद्धि से काम न लेना

2) अगर - मगर करना - बहाना बनाना

3) अंक में भरना -गले लगाना

4)अँगूठा दिखाना - कार्य करने से साफ़ मना करना

5)अंधेरे घर का चिराग़ -इकलौता पुत्र

6)अपना उल्लू सीधा करना -अपना मतलब निकालना

7)अपनी खिचड़ी अलग पकाना - साथ मिलकर न रहना

8)अक़्ल का दुश्मन -मूर्ख

9)अच्छे दिन आना - भाग्य खुलना

10)आँख मारना -इशारा करना

मूल्यांकन मौखिक चर्चा एवं कक्षा गतिविधियों के आधार पर किया जाएगा ।

BBPS